

Amity School of Communication Organized Educational Visit to Dainik Bhaskar Printing Press

Gwalior, September 26, 2023 - In an enriching and informative educational excursion, Amity School of Communication (ASCO) organized an industrial visit to the renowned Dainik Bhaskar Printing Press situated on Jhansi Road in the Industrial Area, Vicky Factory, Gwalior.

The visit was scheduled on Tuesday, September 26, 2023. It included students pursuing BA in Journalism & Mass Communication and MA in Journalism & Mass Communication accompanied by dedicated faculty members, the group embarked on the visit at 12 noon.

The visit commenced with an insightful presentation by an expert, shedding light on the history of printing, the prepress procedures, and the intricate printing process. The students had the opportunity to gain a deeper understanding of the various equipment utilized in the printing industry, with a special focus on the crucial sequence of ink plates, a fundamental component of the printing process.

Highlighting the immersive experience, the students witnessed the printing of a special edition of the newspaper right before their eyes. As a memorable takeaway, each student received a copy of this special edition.

In addition to the main printing area, the students were taken to the Computer to Plate (CTP) room, where they observed the intricate process of ink plate creation, a pivotal step in newspaper production.

To keep the students refreshed and energized throughout the visit, Dainik Bhaskar Printing Press thoughtfully provided refreshments.

Due to time constraints, the visit concluded, leaving the students with a wealth of knowledge and a deeper appreciation for the intricacies of the newspaper printing process.

The educational trip to Dainik Bhaskar Printing Press proved to be a highly informative and engaging experience for the students of ASCO. They eagerly anticipate more such enlightening excursions in the future, which contribute significantly to their academic and practical understanding of the field of journalism and mass communication.





सुविचार
अपनी कमजोरी को जान
लेना ही जिंदगी की सबसे
बड़ी ताकत है।

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

dainikbhaskar.com

KNOWLEDGE TRIP
SPECIAL EDITION

ग्यालिवर, मंगलवार 26 सितंबर, 2023

कुल पृष्ठ 4, नॉलेज ट्रिप विशेष संस्करण

माद्रपद शुभल पत्र- 12, 2080

12 राज | 61 संस्करण



एमिटी यूनिवर्सिटी ग्यालिवर से पत्रकारिता के छात्र और शिक्षक नालेज ट्रिप पर मंगलवार को इंडस्ट्रियल एरिया, बाराघाटा विक्की चौरोहे के पास स्थित दैनिक भास्कर प्लॉट पहुंचे

गॉर्क में इंस्टॉल किए मोटराइज्ड बिन्स, गीर हाथ हिला कर इन्हें पास बुला सकते हैं



कॉलेज यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स इन्स्टॉल बनाए हैं। इन रोबोटिक ब्रा की कुछ सड़कों पर इंस्टॉल

सकते हैं। स्टूडेंट्स कैम्पे के मदद से इन बिन्स की एक्टिविटी पर नजर रखते हैं। स्टूडेंट्स ने पाया कि लोग इन डस्टबिन को लेकर एम्साइटड हैं। कुछ लोग तो इन बिन्स से बात भी कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स का कहना है कि मोटराइज्ड रोबोट डस्टबिन एक अच्छा कदम है। लोगों को ये पसंद आ रहे हैं और वे इनकी सराहना कर रहे हैं। यहां तक कि लोग इन्हें इमारतों की तरह ट्रीट कर रहे हैं। कचरे को निपटान के लिए यह तरिका एकदम अच्छा साबित होगा। इनकी मदद से कचरे को कम करना में एक जगह से दूसरी जगह ले जाना और

एग्रीकल्चर वेस्ट से बनाई दुनिया की पहली सस्टेनेबल बैटरी 'सौरबीफोर्स'



एनर्जी स्टोरेज की जब भी बात आती है तो हमारा ध्यान सबसे पहले लिथियम ऑयन बैटरियों की ओर जाता है। लिथियम एक दुर्लभ मेटल है इसलिए इस पर से निर्भरता कम करते हुए दूसरी वस्तुओं से बैटरियां बनाए जाने की कवायद विश्वभर में छिड़ी हुई है। इसी कड़ी में अमेरिकी राज्य डेलावेयर स्थित कंपनी सौरबीफोर्स ने

की ओर से दावा किया जा रहा है कि ये दुनिया की पहली सस्टेनेबल बैटरी है। इससे पर्यावरण पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। ये बैटरियां पूरी तरह रिचार्जकेबल हैं और इनके मेटेरियल्स को एकसमय हीने के बाद खाद के रूप में उपयोग कर सकते हैं। इनमें किसी भी तरह कि हानिकारक वस्तुओं का उपयोग नहीं किया गया है। ये बैटरियां दूसरी बैटरियों की तुलना में 1.8 गुना सस्ती भी हैं। ये बैटरियां 6 मीटर लंबी 2.4 मीटर चौड़ी व 2.6 मीटर ऊंची हैं। इनकी एनर्जी कैपैसिटी अभी 0.5 से 0.7 मेगावाट-घंटा है। ये

स्पीच को कैप्शन जनरेट करते हैं जिससे सु- अक्षम की मदद करेंगे ये ट्रांसक्राइब ग्लास



बुजुर्ग लोग या ऐसे लोग जो किसी कारण से सुनने में असमर्थ हैं या उन्हें कम सुनाई देता है, ऐसे में उन्हें

एआई डिवाइस बनाई है। ये डिवाइस से जुड़ जाती है। इसका नाम ट्रांस ग्लास एआई की मदद से स्पीच ट्रांसक्राइब कर देते हैं। दरअसल यूजर्स को एक्सटर्नल कैप्टनिंग है। ये डिवाइस मूवी में चलते व्यक्ति से होने वाली बातचीत लाइव कैप्शन जनरेट करता है की मदद से ये कैप्शन हाईवे ऑगमेंटेड रियलिटी का उपयोग फील्ड ऑफ व्यू में प्रदर्शित व्यक्ति के डिवाइस से इसके





